

## महामारी के दौरान एनबीएफसी का कार्यनिष्पादन: एक संक्षिप्त विवरण\*

वर्ष 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में महामारी और ऋण की मांग कम होने के परिणामस्वरूप एनबीएफसी का समेकित तुलन पत्र धीमी गति से बढ़ा। महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद, एनबीएफसी ने धीमी गति से ऋण देना जारी रखा था। खुदरा क्षेत्र को एनबीएफसी के वृद्धिशील ऋण का लाभ हुआ, जो आंशिक रूप से उनके कम जीएनपीए अनुपात और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के अनुकूल होने की एनबीएफसी की क्षमता के कारण है। एनबीएफसी की लाभप्रदता में पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 2020-21 की दूसरी तिमाही में सुधार हुआ क्योंकि व्यय में गिरावट आय में गिरावट की तुलना में अधिक थी। विनियामकीय सहनीयता के कारण 2019-20 की चौथी तिमाही की तुलना में एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता में 2020-21 में अब तक सुधार देखा गया है, जबकि आस्ति गुणवत्ता पर महामारी का पूरा प्रभाव समय के साथ ही स्पष्ट हो सकता है।

### भूमिका

भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का क्षेत्र आज जहां है, वहां तक पहुंचने के लिए बहुत उतार-चढ़ाव से गुजरा है। उनके परिचालन और वित्तीय मध्यस्थता में विविधता के पैमाने बढ़ती अर्थव्यवस्था की जरूरतों और विकसित विनियामक परिवेश के अनुसार उनके व्यवसाय मॉडल को बदलने में उनकी अनुकूलन क्षमता और तत्परता का प्रमाण है। एनबीएफसी नवोन्मेषी सेवा वितरण तंत्र के माध्यम से विविध, आवश्यकतानुसार वित्तीय उत्पादों के प्रस्तावों से क्रेडिट मध्यस्थता प्रक्रिया में बैंकों की सहायता करते हैं। इसके अलावा, वे आबादी के बैंक रहित क्षेत्र को ऋण की सुविधा प्रदान करके वित्तीय समावेशन भी करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, एनबीएफसी ने बैंकिंग क्षेत्र, पूंजी बाजार और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं के साथ अपने अंतर्संबंधों के कारण प्रणालीगत महत्व प्राप्त कर लिया है। बैंकों की आस्ति गुणवत्ता संबंधी समस्याओं के फलस्वरूप उन्होंने उधार देने के

क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। एनबीएफसी का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुपात 2012-13 के 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 2018-19 में 12.2 प्रतिशत हो गया, जो महामारी के चलते 2019-20 में थोड़ा कम होकर 11.6 प्रतिशत हो गया (भारतीय रिज़र्व बैंक 2019-20)।

सितंबर 2018 में आईएल एण्ड एफएस डिफॉल्ट ने बाजार के भरोसे को प्रभावित किया और इसके परिणामस्वरूप एनबीएफसी को चलनिधि दबाव और उच्च उधार लागत का सामना करना पड़ा। रिज़र्व बैंक ने इस क्षेत्र पर अपनी विनियामक निगरानी को मजबूत किया और एनबीएफसी ने आस्ति-देयता असंतुलन को ठीक करने में भी सक्रिय कदम उठाए। आईएल एण्ड एफएस डिफॉल्ट के बावजूद बैंक उधारी की सहायता और सहायक नीतिगत उपायों से एनबीएफसी क्रेडिट में धीमी गति से वृद्धि हुई। हालांकि, एनबीएफसी क्षेत्र को अपनी दिशा मिल ही रही थी, कि कोविड-19 महामारी ने इस क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया।

यह आलेख एनबीएफसी द्वारा प्रस्तुत पर्यवेक्षी डेटा के आधार पर महामारी के दौरान 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में चुनिंदा एनबीएफसी के कार्यनिष्पादन का परीक्षण करता है<sup>1</sup>। लॉकडाउन, सोशल डिस्टेंसिंग और आर्थिक गतिविधियों में लगभग ठहराव के कारण 2020-21 में स्थावर क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव के कारण, एनबीएफसी को कड़ी चोट लगी है। आस्ति गुणवत्ता और चलनिधि दोनों पर महामारी का प्रभाव देखा जा सकता है, हालांकि बाद में समय पर नीतिगत उपायों से काफी हद तक समाधान किया गया था। आलेख एनबीएफसी की विभिन्न श्रेणियों को कवर करते हुए, खंड II में महामारी की अवधि के दौरान क्षेत्र का सिंहावलोकन प्रदान करता है। खंड III क्षेत्र का तुलन पत्र आधारित विश्लेषण और इसके क्षेत्रीय ऋण संवितरण से संबंधित जानकारी प्रदान करता है। खंड IV महामारी की अवधि के दौरान एनबीएफसी के वित्तीय कार्यनिष्पादन और आस्ति गुणवत्ता पर चर्चा करता है। खंड V प्रमुख जानकारी देते हुए समाप्त होता है।

\* यह आलेख अशोक साहू, परामर्शदाता के मार्गदर्शन में आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग के नंदिनी जयकुमार, के.एम नीलिमा और गोपाल प्रसाद द्वारा तैयार किया गया है। इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

<sup>1</sup> यह आलेख 2020-21 की तीसरी तिमाही तक एक्सबीआरएल से नवीनतम तिमाही डेटा पर आधारित है। डेटा अनंतिम हैं और एनबीएफसी के वित्तीय परिचालन की दिशा और स्वरूप को दर्शाता है। एक्सबीआरएल प्लेटफॉर्म पर मार्च 2019 के बाद से डेटा उपलब्ध हैं। कंपनियों के एक तुलनात्मक समूह का पिछला डेटा बिजनेस ऑब्जेक्ट्स प्लेटफॉर्म से लिया गया है।

## II. एनबीएफसी क्षेत्र का सामान्य सिंहावलोकन

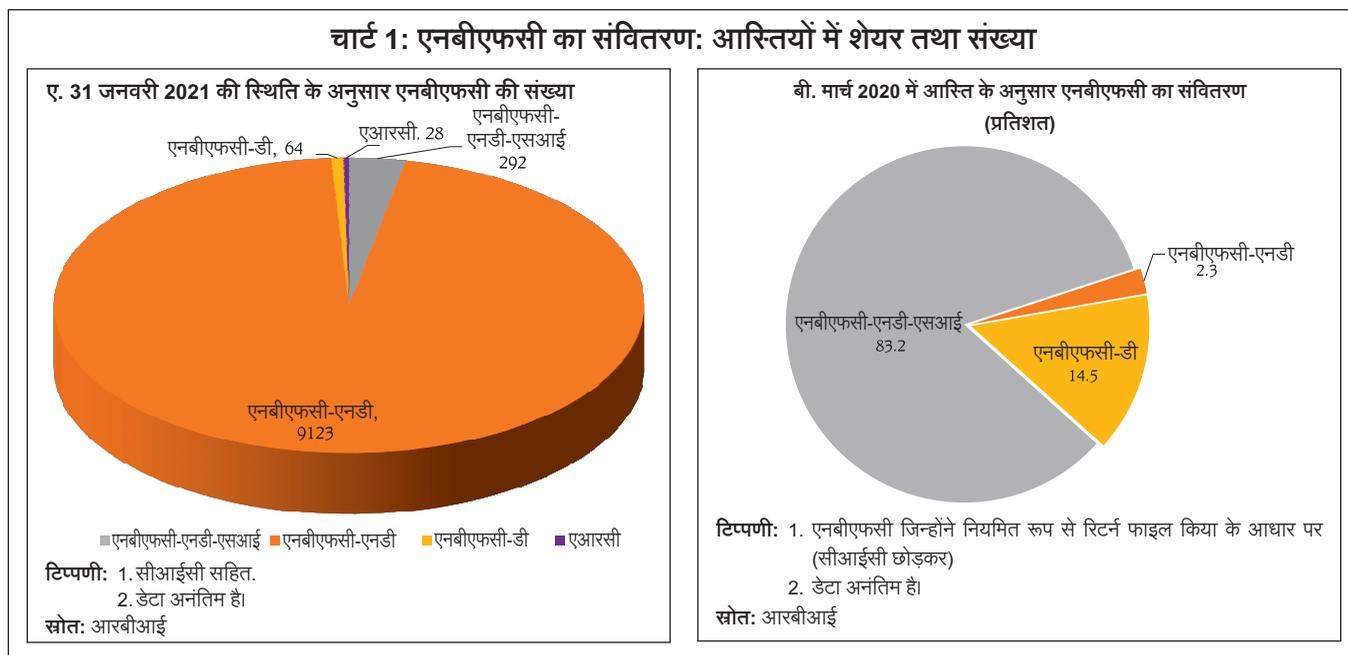
31 जनवरी 2021 को रिज़र्व बैंक में 9,507<sup>2</sup> एनबीएफसी पंजीकृत थे। कंपनियों की संख्या के संवितरण के अनुसार ₹500 करोड़ से कम आस्ति आकार वाले गैर-प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमा न लेने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-एनडी) का प्रमुख हिस्सा है (चार्ट 1 ए)। जब उनको देयता संरचना (निधि के स्रोत के रूप में जनता की जमाराशियां) के अनुसार समूहित किया जाता है, तो एनबीएफसी को जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) या जमा न लेने वाली एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जमा लेने वाली एनबीएफसी (एनबीएफसी-डी) की संख्या धीरे-धीरे कम होती गई और वर्तमान में 64 हैं, जिनमें से छह को आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45 एमबी के अंतर्गत इसके आगे जमा स्वीकार करने से प्रतिबंधित किया गया है। ₹500 करोड़ से अधिक आस्ति आकार के गैर-जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी को प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है (एनबीएफसी-एनडी-एसआई)। मार्च 2020 के अंत में इस क्षेत्र की कुल आस्तियों के संदर्भ में, एनबीएफसी-एनडी-एसआई का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि एनबीएफसी-

डी का हिस्सा 14.5 प्रतिशत और एनबीएफसी-एनडी, 2.3 प्रतिशत है (चार्ट 1 बी)।

चूंकि एनबीएफसी की विशिष्ट क्षेत्रों को ऋण देने और विशिष्ट क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने में विशेषज्ञता है, इसलिए उन्हें उनके कार्यकलापों के आधार पर भी वर्गीकृत किया जाता है। 21 फरवरी 2019 तक, एनबीएफसी को 12 श्रेणियों में विभाजित किया गया था। इसके बाद, एनबीएफसी को अधिक परिचालन लचीलापन प्रदान करने के लिए इन श्रेणियों को सुसंगत बनाया गया। नतीजतन, आस्ति वित्त कंपनियों (एएफसी), ऋण कंपनियों (एलसी) और निवेश कंपनियों (आईसी) को निवेश और क्रेडिट कंपनी (एनबीएफसी-आईसीसी) नामक एक नई श्रेणी में मिला दिया गया। वर्तमान में, कार्यकलाप आधारित वर्गीकरण में एनबीएफसी की 12 श्रेणियां हैं (सारणी 1)<sup>3</sup>।

विश्लेषण में निरंतरता के लिए, इस आलेख में केवल उन एनबीएफसी को शामिल किया गया है जिन्होंने मार्च 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी तिमाहियों में नियमित रूप से रिटर्न प्रस्तुत किए हैं<sup>4</sup>। दिसंबर 2020 में एनबीएफसी क्षेत्र की आस्तियों

चार्ट 1: एनबीएफसी का संवितरण: आस्तियों में शेयर तथा संख्या



<sup>2</sup> एचएफसी को छोड़कर।

<sup>3</sup> नेशनल हाउसिंग बैंक अधिनियम, 1987 में संशोधन के अनुसार एचएफसी को विनियामकीय प्रयोजन के लिए एनबीएफसी की श्रेणी भी माना जाता है।

<sup>4</sup> नमूना में सीआईसी और पीडी शामिल नहीं है।

**सारणी 1: कार्यकलापों के अनुसार एनबीएफसी क्षेत्र का वर्गीकरण**

एनबीएफसी का प्रकार	कार्यकलाप का स्वरूप / प्रमुख व्यवसाय
निवेश और क्रेडिट कंपनी (आईसीसी)	उधार और निवेश।
इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी (आईएफसी)	इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए ऋण प्रदान करना।
इंफ्रास्ट्रक्चर डेट फंड (आईडीएफ)	इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करना।
कोर निवेश कंपनी (सीआईसी)	शेयरों और प्रतिभूतियों का अधिग्रहण करना।
एनबीएफसी- माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (एनबीएफसी-एमएफआई)	छोटे उधारकर्ताओं को संपार्श्विक मुक्त ऋण और अग्रिम प्रदान करना।
एनबीएफसी - फैक्टर	फैक्टरिंग व्यवसाय यानी प्राच्य का वित्तपोषण करना।
गैर-संचालन वित्तीय होल्डिंग कंपनी (एनओएचएफसी)	अपने प्रवर्तक/प्रवर्तक समूहों के माध्यम से निजी क्षेत्र में नए बैंक स्थापित करना।
बंधक गारंटी कंपनी (एमजीसी)	ऋण के लिए बंधक गारंटी प्रदान करना।
एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (एआरसी)	बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा बेची गई वित्तीय आस्तियों का अधिग्रहण और लेनदेन।
पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (पी2पी)	ऋणदाताओं और कर्जदारों को एक साथ लाने के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करना ताकि फंड जुटाने में मदद मिल सके।
अकाउंट एग्रीगेटर (एए)	ग्राहक की वित्तीय आस्तियों के बारे में ग्राहक या अन्य को ग्राहक द्वारा निर्दिष्ट समेकित, संगठित और पुनर्प्राप्ति योग्य तरीके से जानकारी एकत्र करना और प्रदान करना।
हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (एचएफसी)	हाउसिंग के लिए फाइनेंसिंग

स्रोत: आरबीआई

का लगभग 78 प्रतिशत हिस्सा हमारे नमूना एनबीएफसी का है<sup>5</sup>। इस नमूने में, दिसंबर 2020 के अंत में एनबीएफसी क्षेत्र की आधे से अधिक आस्तियां एनबीएफसी-आईसीसी के पास हैं। नमूना एनबीएफसी के कुल आस्तियों में दूसरा बड़ा हिस्सा आईएफसी का है जिसमें बड़े पैमाने पर सरकारी स्वामित्व की एनबीएफसी शामिल हैं। एनबीएफसी-एमएफआई के नमूना एनबीएफसी की आस्तियों में लगभग दो प्रतिशत हिस्सा है जो सूक्ष्म वित्त और वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं (सारणी 2)।

**सारणी 2: एनबीएफसी की श्रेणी: कुल आस्तियों में हिस्सा (प्रतिशत)**

एनबीएफसी की श्रेणी	मार्च-20	सितं-20	दिसं-20
निवेश और क्रेडिट कंपनी (आईसीसी)	51.7 (212)	50.7 (212)	50.3 (212)
आईएफसी	44.7 (4)	45.5 (4)	45.8 (4)
एनबीएफसी-आईडीएफ	1.3 (4)	1.4 (4)	1.4 (4)
एनबीएफसी - एमएफआई	2.1 (17)	2.1 (17)	2.2 (17)
एनबीएफसी-एनओएचएचसी	0.1 (1)	0.2 (1)	0.2 (1)
एनबीएफसी-फैक्टर	0.1 (2)	0.1 (2)	0.1 (2)

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रत्येक श्रेणी में कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न, आरबीआई

<sup>5</sup> एनबीएफसी क्षेत्र में सीआईसी शामिल नहीं है।

**III. एनबीएफसी का तुलनात्मक आधारित विश्लेषण**

एनबीएफसी के समेकित तुलनात्मक पत्र ने 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में क्रमशः 13.0 प्रतिशत और 11.6 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की (सारणी 3)। वर्ष 2019-20 की इसी

**सारणी 3: एनबीएफसी का समेकित तुलनात्मक पत्र**

(₹ करोड़)

महें	के अंत में बकाया राशि			व-द-व वृद्धि (प्रतिशत)	
	मार्च-20	सितं-20	दिसं-20	सितं 19 की तुलना में सितं 20	दिसं 19 की तुलना में दिसं 20
1. शेयर पूंजी	73,842	74,966	75,115	8.2	6.9
2. आरक्षित निधियां और अधिशेष	3,30,185	3,65,098	3,78,106	16.6	14.1
3. जनता की जमा राशियां	30,560	34,956	38,271	15.4	33.2
4. कुल उधार	17,01,232	17,43,952	17,63,138	11.7	11.0
5. वर्तमान देयताएं	39,589	49,208	54,602	-12.6	-25.2
6. प्रावधान	88,429	97,789	1,01,366	32.3	38.4
<b>कुल देयताएं/आस्तियां</b>	<b>22,93,761</b>	<b>23,97,732</b>	<b>24,37,131</b>	13.0	11.6
1. ऋण और अग्रिम	16,47,904	17,11,491	17,31,859	4.8	2.5
2. निवेश	1,88,784	2,03,077	2,03,094	9.7	8.7
3. नकद और बैंक शेष	77,531	88,545	90,063	34.5	52.4
4. अन्य वर्तमान आस्तियां	1,70,467	1,83,587	2,00,035	1,93.2	2,05.3

टिप्पणी: 1. डेटा अनंतिम हैं।

2. यहां सभी घटकों की सूचना प्राप्त न होने के कारण संख्याओं को जोड़ा नहीं जा सकता।

स्रोत: पर्यवेक्षी रिटर्न, आरबीआई

तिमाहियों की तुलना में इस कमी को कोविड-19 प्रेरित आर्थिक मंदी और कमजोर मांग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। हालांकि, प्रतिकूल समष्टी आर्थिक वातावरण में यह दो अंकों की वृद्धि एनबीएफसी के लचीलेपन को दर्शाती है, जो प्रौद्योगिकी को यथोचित रूप में जल्दी से अपनाकर, नीति समर्थन और मजबूत मूल सिद्धांतों के जरिए अपने तुलन पत्र पर महामारी के प्रभाव को कम करने में सक्षम रहे। एनबीएफसी-एनडी-एसआई और एनबीएफसी-डी दोनों ने 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में ऋण और अग्रिम में तीव्र कमी के कारण अपने तुलन पत्र में पिछली अवधियों की तुलना में, गिरावट का सामना किया (अनुबंध सारणियां 1, 2 और 3)।

### III.1 एनबीएफसी की देयताओं की संरचना

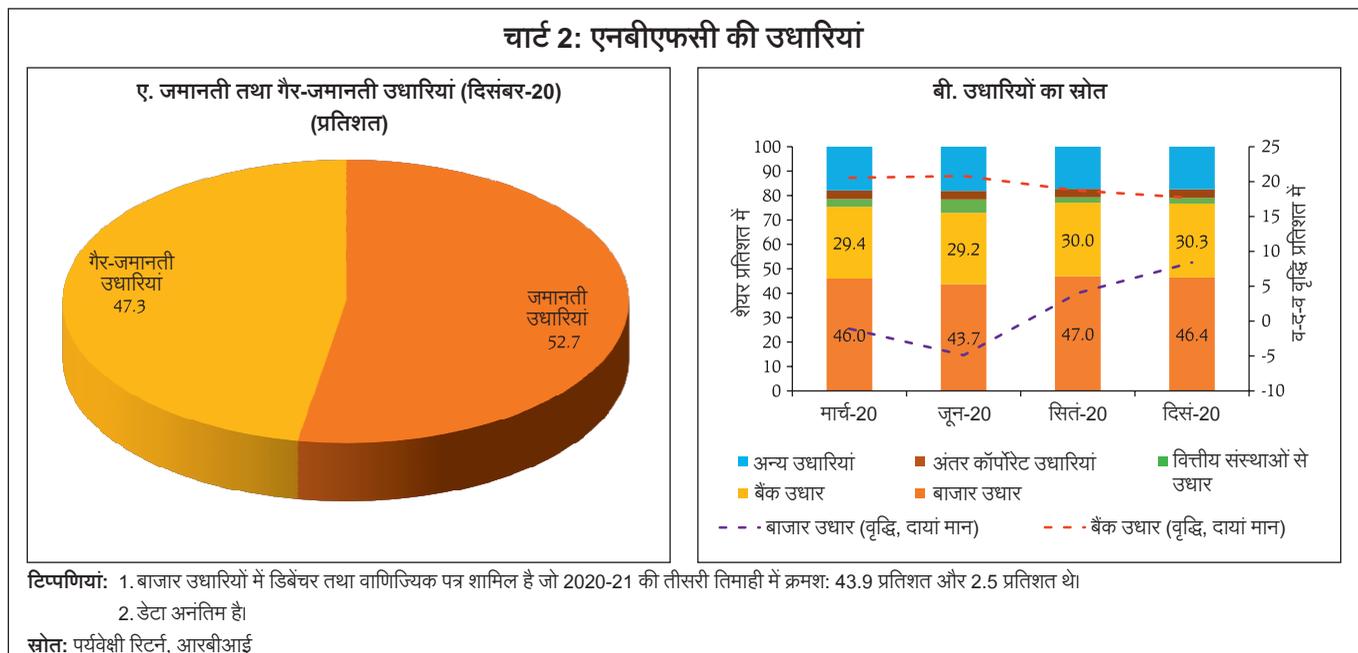
एनबीएफसी अपनी निधि आवश्यकताओं के लिए जमानती और गैर-जमानती उधार दोनों स्रोतों पर निर्भर हैं। बैंक उधार, डिबेंचर, और वाणिज्यिक पत्र (सीपी) उनके वित्तपोषण के प्रमुख स्रोत हैं। तथापि बैंक उधार और डिबेंचर निर्गम जमानती या गैर जमानती हो सकता है, वाणिज्यिक पत्र और अंतर-कंपनी उधार गैर-जमानती स्रोत हैं। आईएल एण्ड एफएस के बाद जोखिम से बचने और बाजार निराशावाद के कारण, कुल उधारी में बाजार उधारी (डिबेंचर और सीपी) का हिस्सा गिर गया था और तदनुसार, बैंक उधार का हिस्सा बढ़ गया था। एनबीएफसी

भी अपनी आस्ति-देयता असंतुलन का प्रबंधन करने के लिए अपनी आस्तियों के कार्यकाल के अनुरूप दीर्घावधि के उधार की ओर बढ़े।

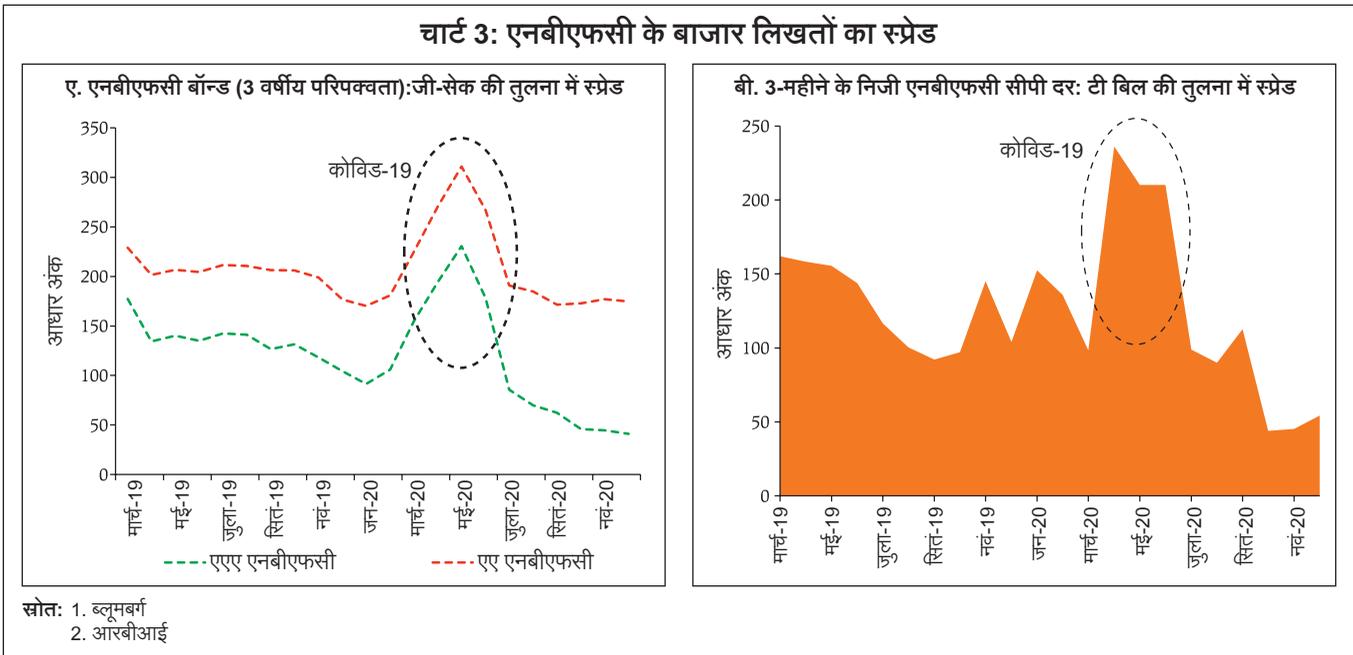
वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही, देशव्यापी लॉकडाउन के बाद की तिमाही में, वृद्धि में कमी के साथ-साथ अत्यधिक जोखिम से बचने और प्रतिफल में स्पाइक के कारण बाजार उधारी की हिस्सेदारी में कमी देखी गई। हालांकि, रिज़र्व बैंक और सरकार द्वारा कोविड-19 व्यवधानों से निपटने के लिए किए गए विभिन्न चलनिधि बढ़ाने के उपायों ने बाजार में अनुकूल स्थितियां निर्माण की और 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में स्थिति सहज हुई, जो बाजार उधार में पिक-अप से, विशेष रूप से डिबेंचर निर्गम से पता चलता है। इसी अवधि में, बैंक उधारों में तीव्र गति से वृद्धि हुई, हालांकि 2020-21 की तीसरी तिमाही में मामूली गिरावट देखी गई (चार्ट 2)।

कोविड-19, वित्तीय बाजारों में बिकवाली और म्यूचुअल फंड द्वारा विशिष्ट योजनाओं के अचानक समापन के प्रतिकूल संमिश्रण से एनबीएफसी को 2020-21 की पहली तिमाही में अपने कर्ज प्रतिफल पर रिकॉर्ड स्पाइक का सामना करना पड़ा। जोखिम से बचने की हद तक एनबीएफसी के कर्ज बाजार लिखतों का स्प्रेड स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल पर तीन वर्षीय एएए एनबीएफसी बॉन्ड का प्रतिफल मई

चार्ट 2: एनबीएफसी की उधारियां



**चार्ट 3: एनबीएफसी के बाजार लिखतों का स्प्रेड**



2020 में 230 आधार अंक तक पहुंच गया, जबकि ट्रेजरी बिल प्रतिफल पर सीपी का स्प्रेड अप्रैल 2020 में 236 आधार अंक तक पहुंच गया।

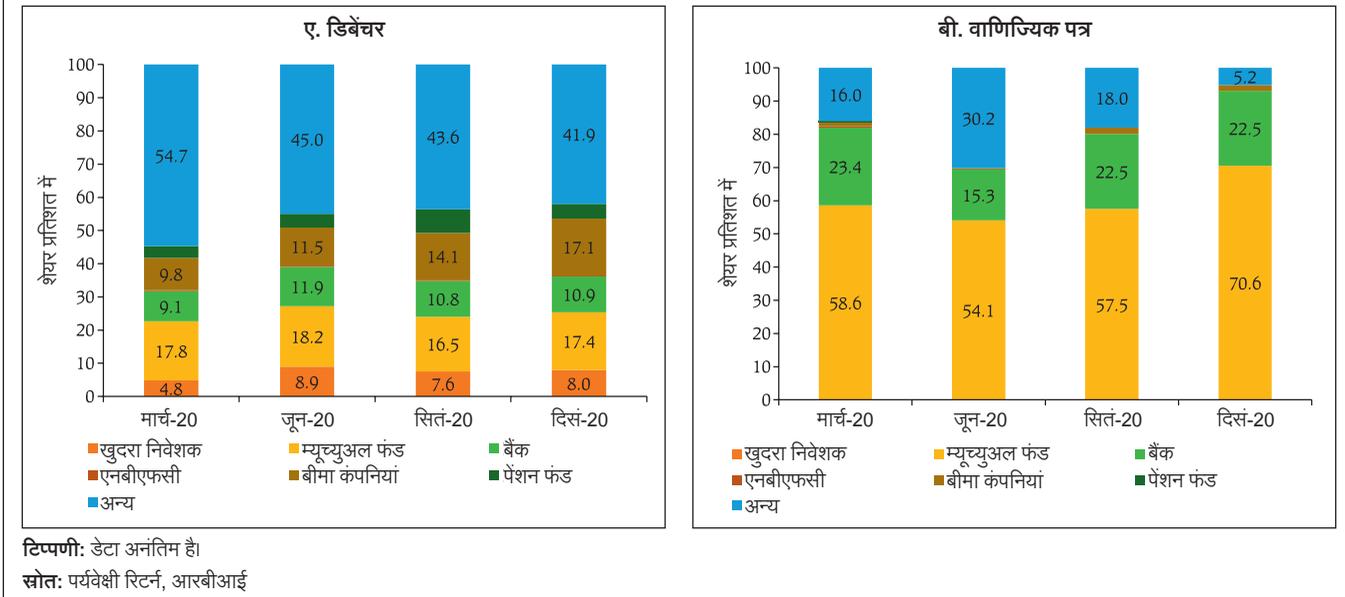
जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, नीतिगत हस्तक्षेपों ने इस क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करने में सहायता की और बाजार के विश्वास की वापसी के लिए मार्ग प्रशस्त किया क्योंकि 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में कोविड पूर्व अवधि से कम स्तर तक स्प्रेड संकुचित हुआ था (चार्ट 3)। फिर भी, चलनिधि अधिशेष और आक्रामक नीतिगत दर में कटौती के बावजूद, उच्च रेटेड और अन्य एनबीएफसी के बीच बाजार भेदभाव जारी रहा।

एनबीएफसी पत्र, विशेष रूप से डिबेंचर की, बाजार सहभागियों के मेजबान द्वारा सदस्यता ली जाती है। दिसंबर 2020 में बैंक, म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियां और पेंशन फंड सब मिलाकर एनबीएफसी डिबेंचर बाजार का आधा हिस्सा थे। एनबीएफसी डिबेंचर निर्गम में खुदरा भागीदारी की समग्र सदस्यता में छोटे हिस्से के बावजूद जून 2020 के बाद से वृद्धि देखी गई (चार्ट 4 ए)। दूसरी ओर, सीपी बाजार में म्यूचुअल फंड

और बैंकों का वर्चस्व रहा, जिनका 2020-21 की तीसरी तिमाही में एनबीएफसी सीपी निर्गम में 93 प्रतिशत हिस्सा है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, म्यूचुअल फंडों ने मोचन दबाव के कारण मार्च और सितंबर 2020 के बीच एनबीएफसी सीपी में अपने जोखिम को कम कर दिया है। हालांकि 2020-21 की तीसरी तिमाही में म्यूचुअल फंडों की एनबीएफसी सीपी में नए सिरों से दिलचस्पी देखी गई। 2020-21 की पहली तिमाही के बाद बैंकों का सीपी सब्सक्रिप्शन स्थिर गति से बढ़ा (चार्ट 4बी)।

दिसंबर 2020 के अंत में एनबीएफसी बैंक उधार की तुलना में मीयादी ऋण का हिस्सा 4/5 था, इसके बाद कार्यशील पूंजी ऋण और नकद ऋण है। जबकि मीयादी ऋण जबरदस्त गति से बढ़ते रहे, 2019-20 की दूसरी और तीसरी तिमाही की तुलना में 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में गिरावट देखी गयी, जो कि निधि की ऑन-लेंडिंग मांग दर्शाती है। 2020-21 की तीसरी तिमाही में कार्यशील पूंजी ऋणों में वृद्धि देखी गई क्योंकि एनबीएफसी ने अपने पैर जमाने की कोशिश की और आर्थिक कार्यकलाप कर्षण प्राप्त करना शुरू कर दिया (चार्ट 5)।

**चार्ट 4: एनबीएफसी कर्ज लिखितों के ग्राहकों का संस्था वार विवरण**

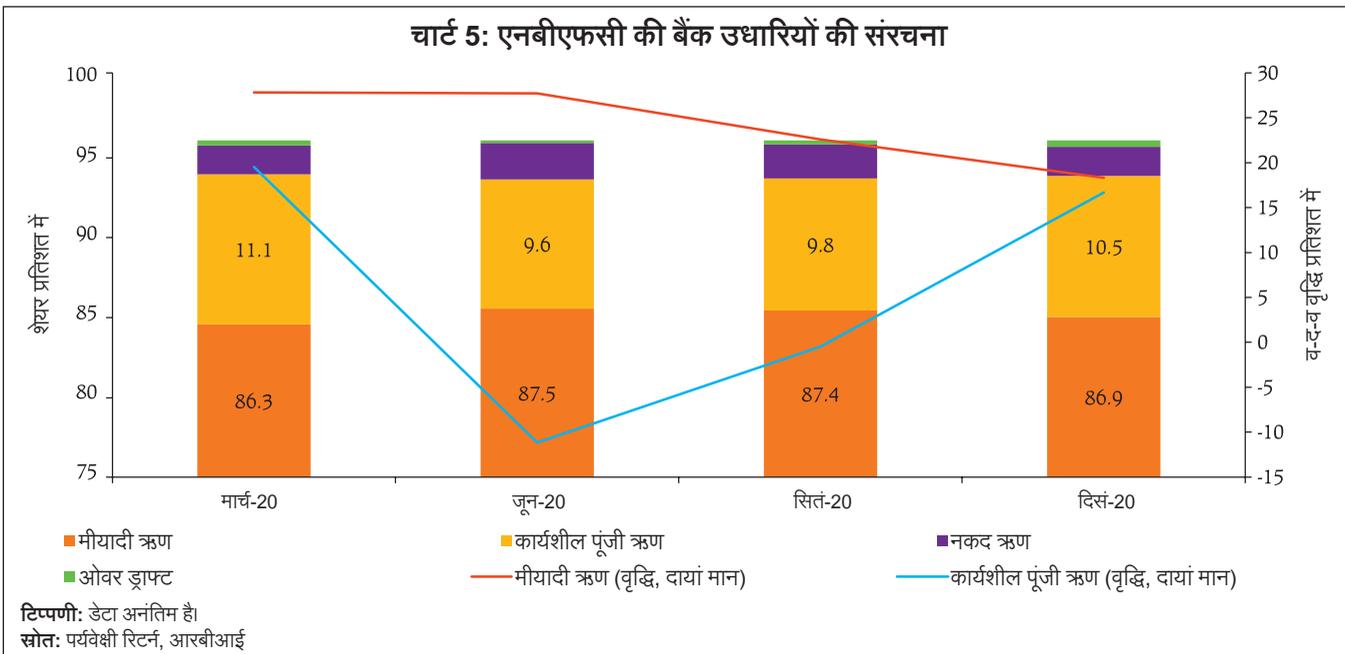


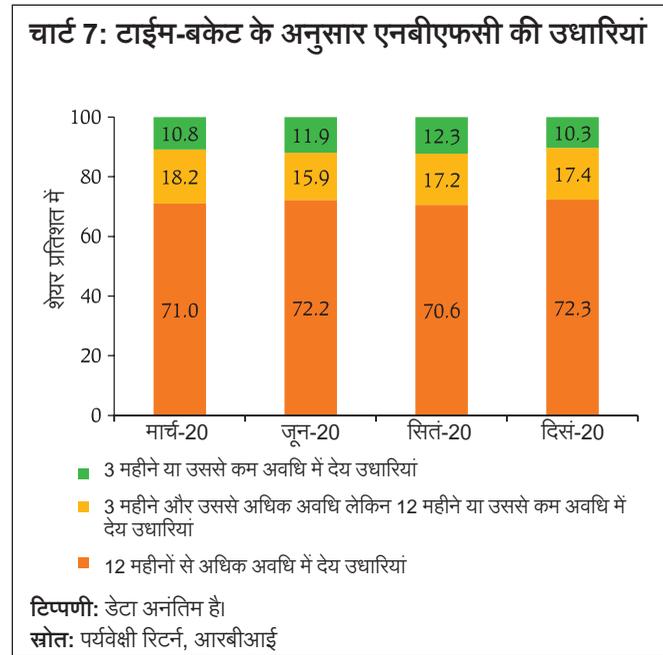
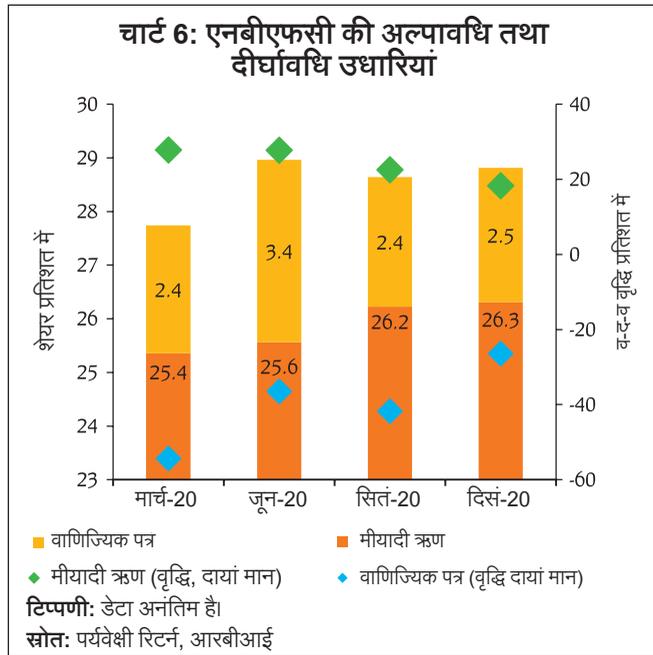
**III.1.1 अल्पावधि और दीर्घावधि उधार की प्रवृत्ति**

आईएल एण्ड एफएस घटना के बाद, एनबीएफसी क्षेत्र ने अपनी आस्तित्व-देयता असंतुलन को कम करने के लिए अल्पावधि उधारों को दीर्घावधि अवधि में बदलने का प्रयास किया। तदनुसार, 2020-21 (व-द-व) की तीसरी तिमाही में मीयादी ऋण वृद्धि 22.6 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 18.3 प्रतिशत के उच्च स्तर

पर रही, यद्यपि मार्च 2020 से धीरे-धीरे गिरावट देखी गई है। दूसरी ओर, एनबीएफसी द्वारा सीपी निर्गम में 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में गिरावट जारी रही (चार्ट 6)। एनबीएफसी का 70 प्रतिशत से अधिक उधार 12 महीनों के बाद देय है और उनका हिस्सा स्थिर बना हुआ है, जो एनबीएफसी के बीच बढ़ते बाजार अनुशासन का संकेत देता है (चार्ट 7)।

**चार्ट 5: एनबीएफसी की बैंक उधारियों की संरचना**

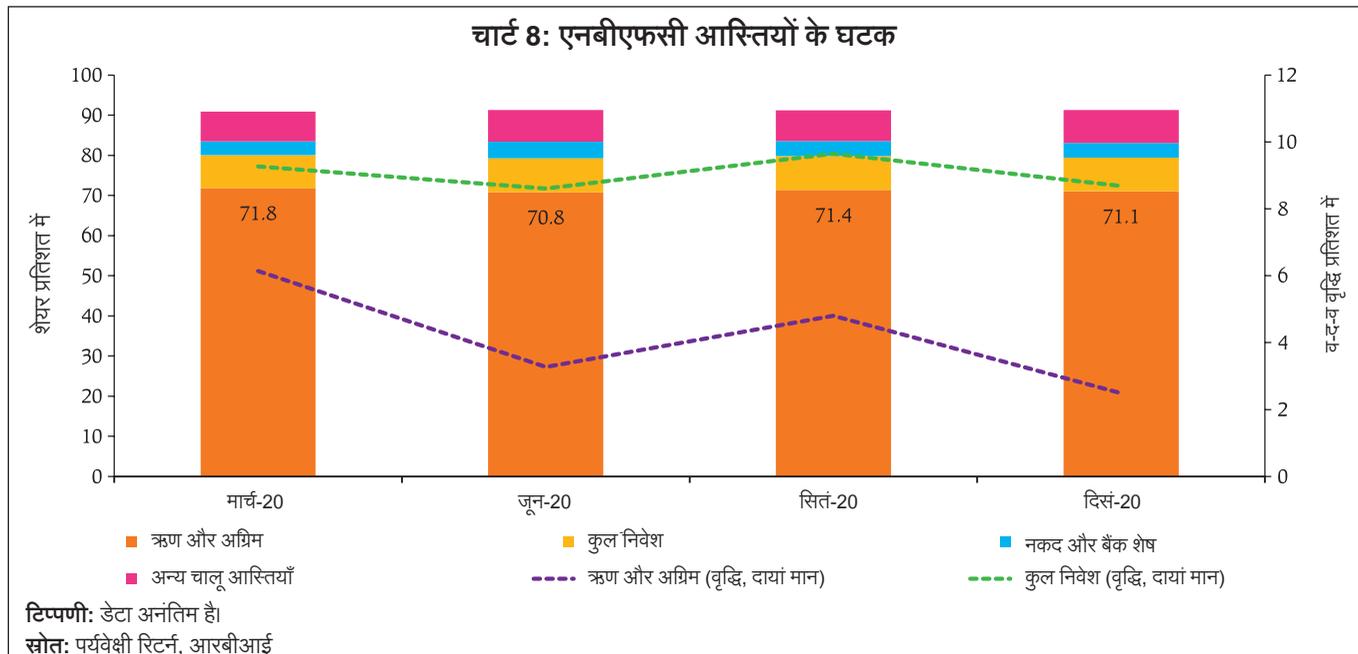




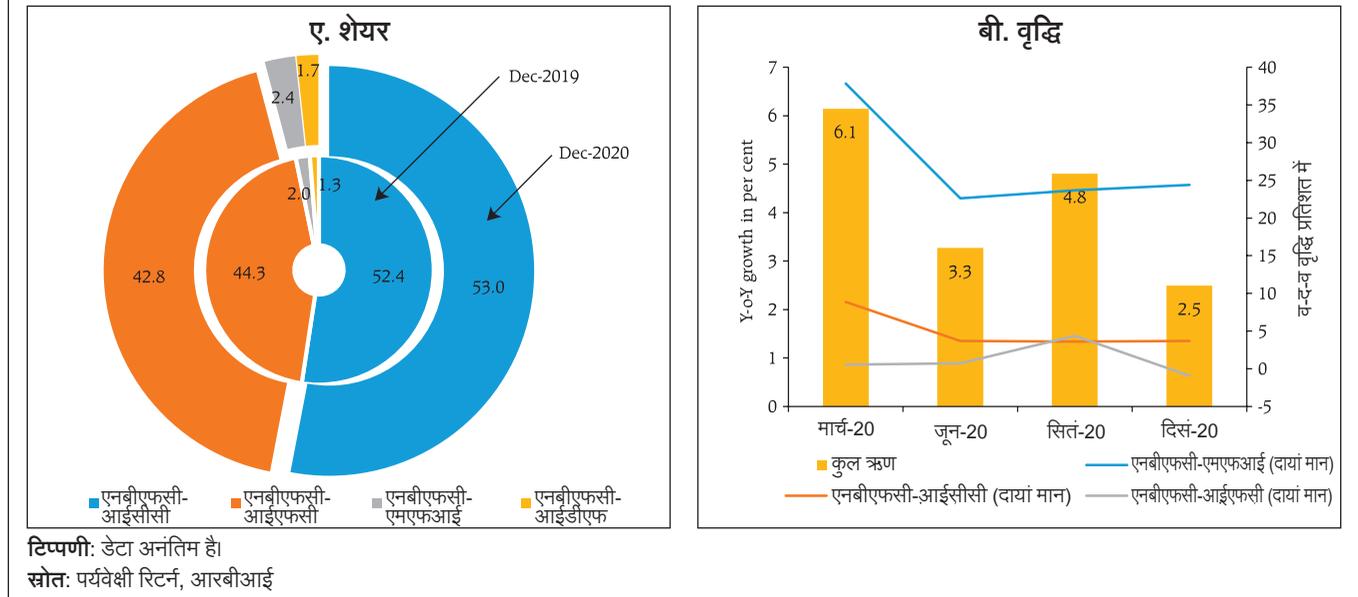
### III.2 एनबीएफसी आस्तियों की संरचना

वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में ऋण और अग्रिम का हिस्सा कुल आस्तियों के लगभग 71 प्रतिशत था और एनबीएफसी की तुलना पत्र के आस्ति पक्ष में सबसे बड़ा घटक बना रहा। एनबीएफसी ने 2020-21 (व-द-व) की दूसरी और तीसरी तिमाही में क्रमशः 4.8 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत क्रेडिट वृद्धि दर्ज की। आय और आजीविका की हानि और परिणामस्वरूप खपत की मांग में गिरावट के साथ-साथ अपने विवेक पर खर्च करने के

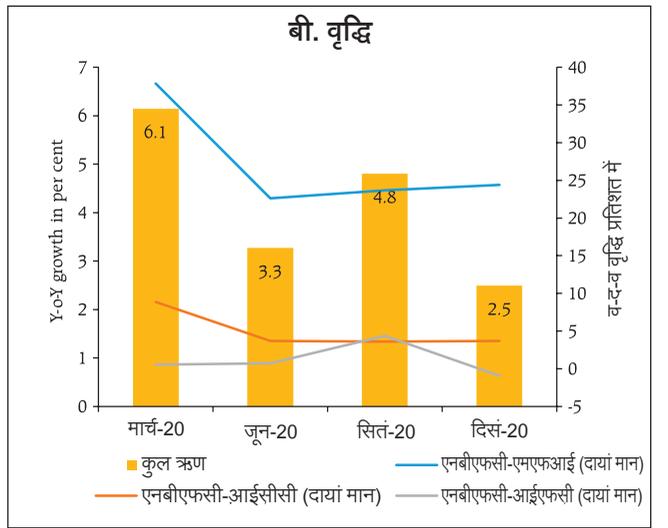
कारण एनबीएफसी की ऋण वृद्धि उनकी प्रचलित मजबूत प्रवृत्ति के विपरीत मामूली बनी रही। यहां तक कि निवेश भी 2020-21 की तीसरी तिमाही में 8.7 प्रतिशत की दर से धीरे-धीरे बढ़ा, जबकि 2019-20 की तीसरी तिमाही में यह 24.4 प्रतिशत था, जो कम ब्याज दर व्यवस्था में लाभदायक निवेश के अवसरों की कमी दर्शाता है। हालांकि, महामारी के कारण वर्तमान अनिश्चितता को देखते हुए पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करने के लिए एनबीएफसी ने नकदी को संभाल कर रखा (चार्ट 8)।



**चार्ट 9: एनबीएफसी-एनडी-एसआई का श्रेणी-वार ऋण**

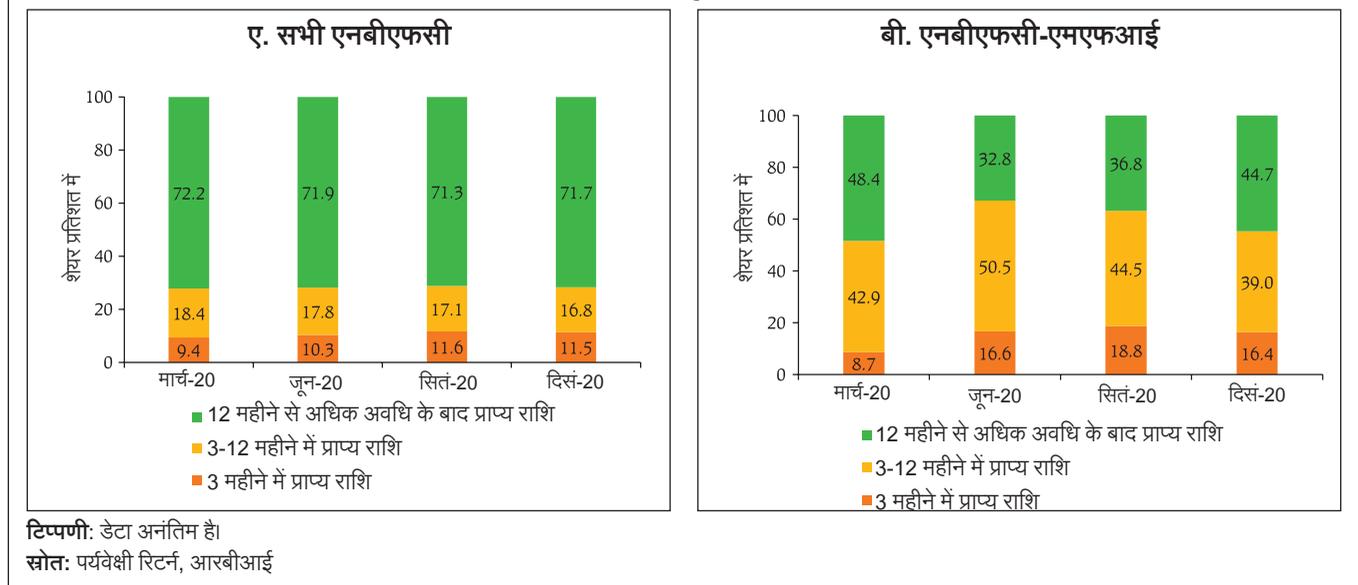


एनबीएफसी द्वारा दिए गए कुल ऋण का लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा सीसी और आईएफसी का है (चार्ट 9ए)। क्रेडिट वृद्धि में समग्र गिरावट सभी श्रेणियों में विशेष रूप से आईसीसी और आईएफसी में प्रतिबिंबित हुई, बाद में 2020-21 की तीसरी तिमाही में क्रेडिट वृद्धि में गिरावट देखी गई। वर्ष 2020-21 की दूसरी तथा तीसरी तिमाही में एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा ऋण वितरण कम हुआ लेकिन अन्य श्रेणियों की तुलना में तेज गति से बढ़ा (चार्ट 9बी)।



एनबीएफसी ऋण पोर्टफोलियो के विश्लेषण से भी यह पता चलता है कि एनबीएफसी के 70 प्रतिशत से अधिक अग्रिम दीर्घावधि हैं (अर्थात एक वर्ष से अधिक समय के बाद प्राप्य)। महामारी के प्रकोप के बाद 3 महीने से भी कम समय के बकेट में एनबीएफसी के ऋण हिस्से में वृद्धि, अर्थव्यवस्था की अल्पावधि ऋण जरूरतों को पूरा करने में एनबीएफसी की भूमिका को दर्शाती है (चार्ट 10 ए)। आईसीसी, आईएफसी और आईडीएफ द्वारा दीर्घावधि के ऋण और अग्रिम बड़े पैमाने पर वितरित किए जाते

**चार्ट 10: टाईम-बकेट अनुसार ऋण पोर्टफोलियो**



हैं, जबकि आईसीसी और एमएफआई अल्पावधि ऋण देने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। एमएफआई विशेष रूप से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए कम राशि के ऋण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएफआई ऋणों की हिस्सेदारी में, विशेष रूप से 2020-21 की पहली तिमाही में (और निरंतर, 3 महीने से कम के ऋण), 3 महीने से कम बकेट और 3-12 महीने बकेट में वृद्धि, कोविड-19 के प्रकोप के बाद छोटे उधारकर्ताओं को उनकी अल्पावधि जरूरतों के लिए गैर-जमानती अल्पावधि ऋण प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की ओर संकेत करती है (चार्ट 10बी)।

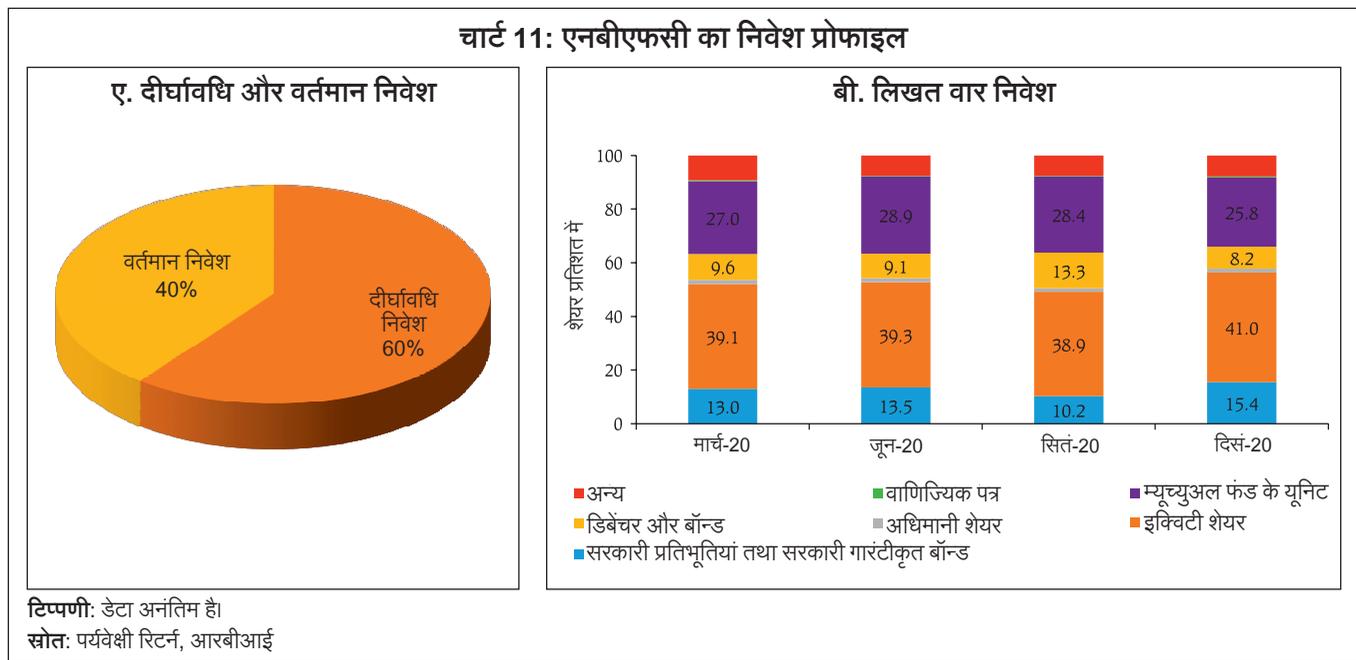
एनबीएफसी के तुलन पत्र के आरिष्ठ पक्ष में ऋण और अग्रिम के बाद निवेश दूसरा सबसे बड़ा घटक है। एनबीएफसी का लगभग 60 प्रतिशत निवेश दीर्घावधि है। एनबीएफसी के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार के लिखतों में, इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड के यूनिट सबसे प्रचलित हैं, जिसमें एनबीएफसी कुल निवेश के लगभग 67 प्रतिशत निवेश करता है, इसके बाद सरकारी प्रतिभूतियों और सरकारी गारंटीकृत बॉण्डों में निवेश किया जाता है। म्यूचुअल फंड के निवेश में वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में कमी से पहले 2020-21 की पहली और दूसरी तिमाही में उछाल देखा गया (चार्ट 11)।

### III.3 ऋण का क्षेत्रीय नियोजन<sup>6</sup>

औद्योगिक क्षेत्र एनबीएफसी-एनडी-एसआई से ऋण का सबसे बड़ा आदाता रहा है, 2019-20 की तीसरी तिमाही और 2020-21 की तीसरी तिमाही के बीच इसका हिस्सा भले ही कम हुआ हो। खुदरा क्षेत्र तथा सेवा क्षेत्र अन्य प्रमुख लाभार्थी हैं और आलोच्य अवधि के दौरान उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है (चार्ट 12ए)। औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से सूक्ष्म और लघु और बड़े उद्योग, क्रेडिट वृद्धि में गिरावट के कारण महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लॉकडाउन लागू करने, आर्थिक गतिविधियों को अचानक बंद करने और वायरस के प्रसार को रोकने के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान इन क्षेत्रों को सबसे अधिक प्रभावित कर सकता था। वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में संवितरण में कृषि क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि हुई, हालांकि, यह आंशिक रूप से अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हो सकता है। सेवाओं और खुदरा ऋण क्षेत्र ने समग्र प्रवृत्ति को पीछे छोड़ दिया और पिछले वर्ष दिसंबर 2020 की तुलना में वृद्धि दर्शायी, हालांकि पूर्व के मामलों में, यह आधार प्रभाव के कारण हो सकता है (चार्ट 12 बी)।

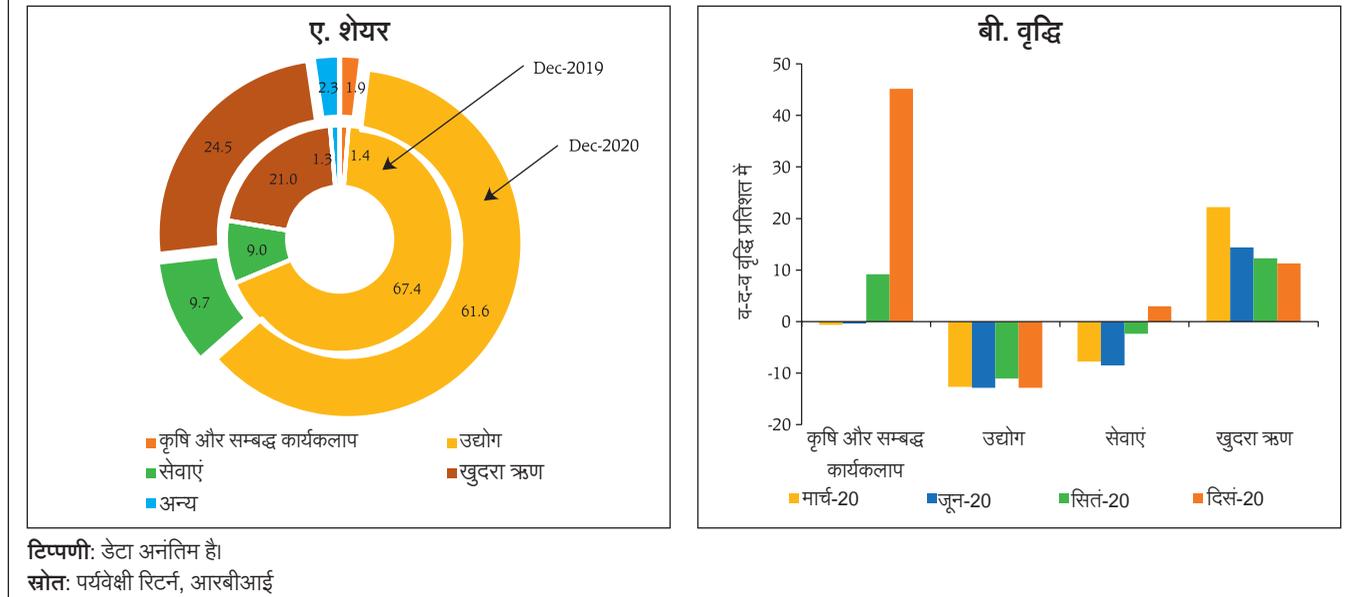
वर्ष 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाही में खुदरा क्षेत्र को वृद्धिशील ऋण प्रवाह (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर) धीमी गति से बढ़ता रहा, लेकिन वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में सेवा क्षेत्र

चार्ट 11: एनबीएफसी का निवेश प्रोफाइल



<sup>6</sup> यह खंड हमारे नमूनों से सिर्फ चुनिंदा एनबीएफसी-एनडी-एसआई पर केन्द्रित है क्योंकि एनबीएफसी-डी का तुलनात्मक क्षेत्रीय डेटा 2018-19 के लिए उपलब्ध नहीं है।

**चार्ट 12: एनबीएफसी-एनडी-एसआई का क्षेत्रवार ऋण**



में मामूली वृद्धि देखी गई तथा वाहन ऋण, स्वर्ण ऋण, परिवहन और पर्यटन को इसका फायदा हुआ। खुदरा क्षेत्र के खिलाड़ी जनता के मनोभाव का अनुमान लगाते हुए अपने बल पर वक्र से ऊपर रहे।

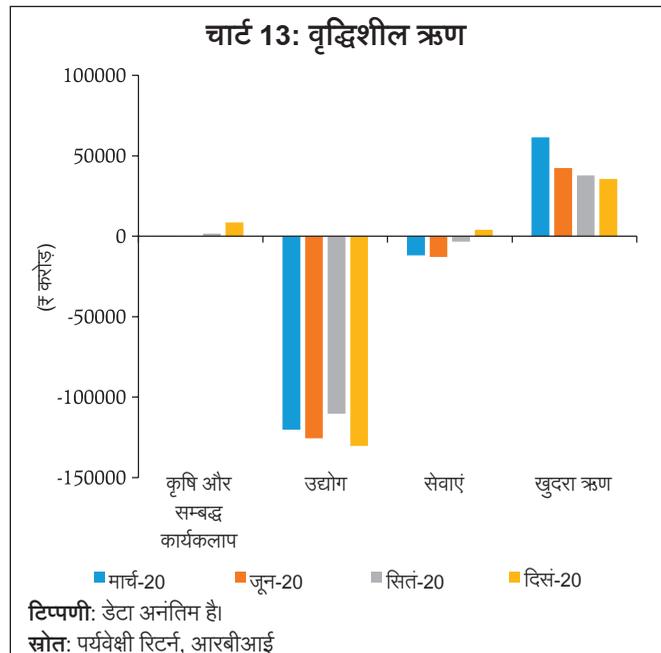
महामारी के कारण सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करने की आवश्यकता से, दिसंबर 2020 में यात्री वाहनों की बिक्री में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई<sup>7</sup>। यह एनबीएफसी द्वारा वाहन ऋण के वितरण में परिलक्षित हुआ, क्योंकि वर्ष 2020-21 तीसरी तिमाही में इन ऋणों में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। छोटी फर्मों की नकदी आवश्यकताओं और संभावित कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सोने के बदले ऋण में भी अत्यधिक वृद्धि हुई। हालांकि, उसी अवधि में उद्योगों के वृद्धिशील ऋण में गिरावट आई क्योंकि इस क्षेत्र में अभी तक महामारी का प्रभाव जारी रहा (चार्ट 13)।

**IV. एनबीएफसी का वित्तीय कार्यनिष्पादन और आस्ति गुणवत्ता**

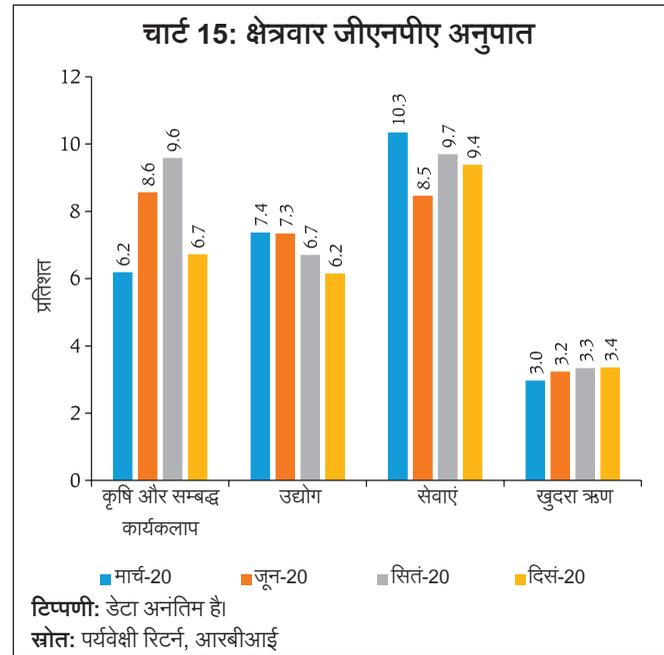
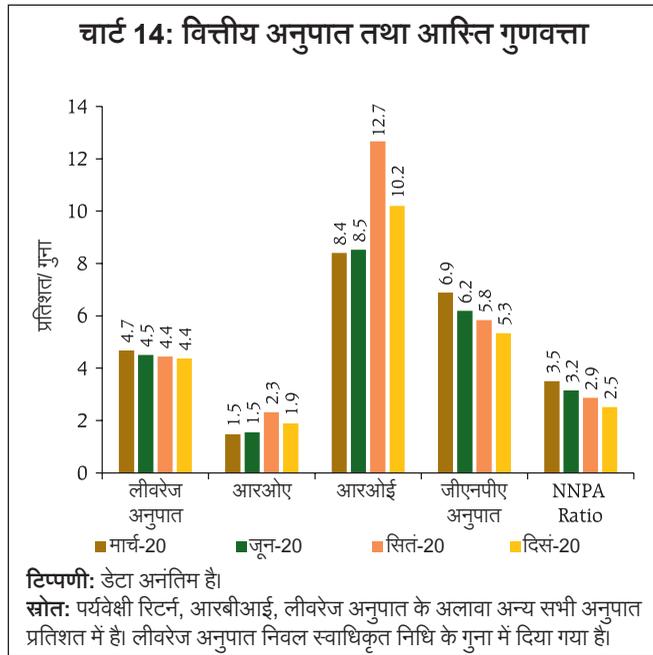
वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में कोविड-19 के तुरंत बाद एनबीएफसी की लाभप्रदता कम हुई, क्योंकि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण व्यवसायों को आर्थिक नुकसान हुआ।

<sup>7</sup> स्रोत: सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स

**चार्ट 13: वृद्धिशील ऋण**



आस्ति पर रिटर्न (आरओए) और इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) दोनों में 2020-21 की पहली तिमाही में 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में गिरावट आई। हालांकि 2020-21 की दूसरी तिमाही में स्थिति में मामूली सुधार हुआ क्योंकि एनबीएफसी के व्यय में आय की तुलना में भारी गिरावट आई। 2019-20 की दूसरी तिमाही में आरओए और आरओई 1.8 और 10.3 प्रतिशत



से बढ़कर वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में क्रमशः 2.3 और 12.7 प्रतिशत हुआ। क्षेत्र की लाभप्रदता 2020-21 की तीसरी तिमाही में स्थिर रही।

एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता में विनियामकीय सहनीयता के कारण 2019-20 की चौथी तिमाही की तुलना में 2020-21 में अब तक सुधार देखा गया। हालांकि, 2019-20 की इसी अवधि की तुलना में एनबीएफसी का जीएनपीए अनुपात 2020-21 की पहली और दूसरी तिमाही में बढ़ा था। वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में जीएनपीए और एनएनपीए दोनों अनुपात 2019-20 की तीसरी तिमाही की तुलना में गिर गए। फिर भी, इस क्षेत्र के वास्तविक एनपीए का अंदाजा आगामी तिमाहियों में लगाया जा सकता है क्योंकि मार्च 2021 में आस्ति वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम रोक आदेश को हटा दिया गया है (चार्ट 14)।

सभी क्षेत्रों में, उद्योग के जीएनपीए अनुपात में क्रमिक गिरावट देखी गई, जबकि खुदरा ऋणों का जीएनपीए अनुपात अन्य क्षेत्रों की तुलना में कम रहा। वर्ष 2020-21 के दौरान एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता में सुधार का श्रेय आंशिक रूप से औद्योगिक क्षेत्र में क्षतिग्रस्त आस्तियों में कमी को दिया जा सकता है (चार्ट 15)।

<sup>8</sup> लीवरेज अनुपात को कुल बाहरी देयताएं/स्वाधिकृत निधि के रूप में परिभाषित किया गया है।

## V. निष्कर्ष

एनबीएफसी का समेकित तुलन पत्र वर्ष 2020-21 की दूसरी और तीसरी तिमाहियों में धीमी गति से बढ़ा क्योंकि अर्थव्यवस्था को कोविड-19 महामारी और कम ऋण मांग की प्रतिकूलता का सामना करना पड़ा। हालांकि, एनबीएफसी ने महामारी के कारण हुए व्यवधानों के बावजूद धीमी रफ्तार से ऋण देना जारी रखा। तदनुसारी जी-सेक प्रतिफल के साथ-साथ डिबेंचर बाजार में बढ़ी हुई खुदरा भागीदारी की तुलना में एनबीएफसी डिबेंचर के स्प्रेड की क्रमिक सहजता ने इस क्षेत्र के बारे में बाजार तथा जनता की धारणा को संवर्धित किया। खुदरा क्षेत्र को, इस क्षेत्र द्वारा वितरित किए गए वृद्धिशील ऋण, उनके कम जीएनपीए अनुपात और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप रहने से लाभ हुआ। आय की तुलना में व्यय में भारी गिरावट के कारण पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 2020-21 की दूसरी तिमाही में एनबीएफसी की लाभप्रदता में सुधार हुआ। संक्रमण की निरंतरता को देखते हुए, एनबीएफसी की आस्ति गुणवत्ता पर लॉकडाउन और व्यवसाय बंद होने का पूरा प्रभाव धीरे-धीरे स्पष्ट होगा।

## संदर्भ

भारतीय रिज़र्व बैंक (2019-20) भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट।

## अनुबंध सारणी 1: एनबीएफसी का समेकित तुलन पत्र

मदें	के अंत में बकाया राशि			व-द-व वृद्धि	
	(₹ करोड़)			(प्रतिशत)	
	मार्च-20	सितंबर-20	दिसंबर-20	सितंबर 19 की तुलना में सितंबर 20	दिसंबर 19 की तुलना में दिसंबर 20
शेयर पूंजी	73,842	74,966	75,115	8.2	6.9
आरक्षित निधियाँ और अधिशेष	3,30,185	3,65,098	3,78,106	16.6	14.1
जनता की जमाराशियां	30,560	34,956	38,271	15.4	33.2
कुल उधार ली गई राशि	17,01,232	17,43,952	17,63,138	11.7	11.0
डिबेंचेर्स	7,42,284	7,77,540	7,74,549	8.6	11.4
म्यूच्युअल फंड द्वारा सब्सक्रिप्शन	1,32,404	1,28,016	1,34,649	9.8	5.2
बैंको द्वारा सब्सक्रिप्शन	67,358	84,055	84,045	25.6	30.1
एनबीएफसी द्वारा सब्सक्रिप्शन	2,213	2,977	2,189	19.7	-22.7
अन्य द्वारा सब्सक्रिप्शन	4,05,957	3,38,798	3,24,847	-22.6	-13.9
बैंकों से लिया गया उधार	4,99,651	5,23,504	5,33,902	18.7	17.7
मीयादी ऋण	4,31,414	4,57,346	4,63,843	22.6	18.3
कार्यशील पूंजी ऋण	55,629	51,315	55,927	-0.5	16.7
नकद ऋण	10,659	13,129	11,553	-6.4	1.6
ओवरड्राफ्ट	1,949	1,715	2,578	-24.5	8.5
एफआई से लिया गया उधार	54,246	38,778	40,526	107.7	44.9
सरकार से लिया गया उधार	17,967	24,722	18,236	87.0	-1.4
अंतर कंपनी उधार	60,340	60,844	62,036	1.4	-29.1
वाणिज्यिक पत्र	40,479	42,175	44,183	-41.7	-26.4
गौण कर्ज	45,407	45,847	46,522	5.3	4.1
चालू देयताएं	39,589	49,208	54,602	-12.6	-25.2
प्रावधान	88,429	97,789	1,01,366	32.3	38.4
अन्य देयताएं	29,924	31,762	26,532	67.4	39.0
कुल देयताएं/आस्तियां	22,93,761	23,97,732	24,37,131	13.0	11.6
ऋण और अग्रिम	16,47,904	17,11,491	17,31,859	4.8	2.5
एचपी और लीज आस्तियां	1,47,651	1,53,847	1,60,331	13.4	12.4
निवेश	1,88,784	2,03,077	2,03,094	9.7	8.7
सरकारी प्रतिभूतियां	24,562	20,771	31,282	2.9	43.6
इक्विटी शेयर	73,768	79,055	83,266	3.8	13.9
अधिमानी शेयर	3,001	2,636	2,815	0.1	-1.7
डिबेंचेर्स और बॉन्ड्स	18,159	26,995	16,588	16.0	-23.6
म्यूच्युअल फंड यूनिट	51,046	57,698	52,492	23.6	0.6
वाणिज्यिक पत्र	852	444	726	-	-
अन्य निवेश	17,396	15,478	15,926	-4.8	4.6
नकदी और बैंक शेष	77,531	88,545	90,063	34.5	52.4
हाथ में नकदी	3,983	1,500	1,759	-50.7	-58.3
बैंको में जमाराशियां	73,085	84,819	81,822	36.9	49.3
अन्य चालू आस्तियां	1,70,467	1,83,587	2,00,035	193.2	205.3
अन्य आस्तियां	61,423	57,184	51,748	42.9	30.2
आकस्मिक देयताएं	22,190	24,266	23,187	7.0	-4.9

**टिप्पणी:** डेटा अनंतिम है तथा एनबीएफसी के वित्तीय परिचालन की दिशा और स्वरूप का संकेत देता है। इस सारणी के लिए कंपनियों के एक सामान्य समूह का डेटा लिया गया है, जिन्होंने मार्च 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी तिमाहियों में नियमित रिटर्न प्रस्तुत किया है।

**स्रोत:** पर्यवेक्षी रिटर्न, आरबीआई

## अनुबंध सारणी 2: एनबीएफसी-एनडी-एसआई का समेकित तुलन पत्र

मदें	के अंत में बकाया राशि			व-द-व वृद्धि	
	(₹ करोड़)			(प्रतिशत)	
	मार्च-20	सितंबर-20	दिसंबर-20	सितंबर 19 की तुलना में सितंबर 20	दिसंबर 19 की तुलना में दिसंबर 20
शेयर पूंजी	70,171	70,964	71,113	7.7	6.3
आरक्षित निधियाँ और अधिशेष	2,69,972	2,99,585	3,10,881	13.8	15.0
कुल उधार ली गई राशि	14,80,578	15,33,268	15,56,997	13.5	12.9
डिबेंचेर्स	6,69,917	7,12,246	7,11,178	9.4	12.8
म्यूच्युअल फंड द्वारा सब्सक्रिप्शन	1,14,726	1,16,019	1,23,038	13.4	9.3
बैंको द्वारा सब्सक्रिप्शन	53,942	69,511	71,109	21.4	27.9
एनबीएफसी द्वारा सब्सक्रिप्शन	1,986	2,747	1,810	23.0	-32.5
अन्य द्वारा सब्सक्रिप्शन	3,95,748	3,29,046	3,16,943	-19.9	-12.9
बैंकों से लिया गया उधार	4,03,082	4,26,100	4,40,584	22.2	22.7
मीयादी ऋण	3,44,041	3,70,395	3,81,151	27.7	24.9
कार्यशील पूंजी ऋण	50,457	45,900	49,474	-4.2	11.6
नकद ऋण	7,159	8,432	7,765	-9.7	0.0
ओवरड्राफ्ट	1,426	1,373	2,194	-8.1	12.5
एफआई से लिया गया उधार	46,602	31,707	31,487	114.6	34.8
सरकार से लिया गया उधार	17,967	24,722	18,236	87.0	0.2
अंतर कंपनी उधार	52,072	54,901	55,540	4.9	-30.0
वाणिज्यिक पत्र	36,629	38,317	40,966	-36.5	-25.4
गौण कर्ज	34,427	36,283	36,996	14.1	11.3
चालू देयताएं	29,231	39,000	43,991	-19.3	-29.9
प्रावधान	74,993	78,722	83,445	25.3	34.4
अन्य देयताएं	29,657	31,718	26,363	72.1	43.1
कुल देयताएं/आस्तियां	19,54,601	20,53,258	20,92,790	13.5	12.5
ऋण और अग्रिम	13,57,207	14,27,478	14,40,760	5.7	2.9
एचपी और लीज आस्तियां	1,47,651	1,53,847	1,59,178	13.4	11.6
निवेश	1,61,375	1,68,235	1,76,591	-0.8	4.8
सरकारी प्रतिभूतियां	18,078	12,053	22,470	-25.8	30.9
इक्विटी शेयर	67,432	72,681	76,858	1.8	12.7
अधिमानी शेयर	2,739	2,363	2,534	-1.3	-2.6
डिबेंचेर्स और बॉन्ड्स	17,989	26,868	16,588	16.0	-23.3
म्यूच्युअल फंड यूनिट	40,222	41,027	44,312	-1.9	-1.6
वाणिज्यिक पत्र	-	96	244	-	-
अन्य निवेश	14,916	13,147	13,585	-9.4	-2.0
नकदी और बैंक शेष	63,570	70,387	71,690	24.2	47.6
हाथ में नकदी	3,890	1,350	1,587	-52.5	-60.3
बैंको में जमाराशियाँ	59,305	67,353	67,318	27.0	51.2
अन्य चालू आस्तियां	1,65,603	1,78,258	1,94,935	201.2	210.8
अन्य आस्तियां	59,194	55,053	49,636	43.6	30.7
आकस्मिक देयताएं	18,459	18,931	17,916	2.7	-10.9

**टिप्पणी:** डेटा अनंतिम है तथा एनबीएफसी के वित्तीय परिचालन की दिशा और स्वरूप का संकेत देता है। इस सारणी के लिए कंपनियों के एक सामान्य समूह का डेटा लिया गया है, जिन्होंने मार्च 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी तिमाहियों में नियमित रिटर्न प्रस्तुत किया है।

**स्रोत:** पर्यवेक्षी रिटर्न, आरबीआई

## अनुबंध सारणी 3: एनबीएफसी-डी का समेकित तुलन पत्र

मदें	के अंत में बकाया राशि			व-द-व वृद्धि	
	(₹ करोड़)			(प्रतिशत)	
	मार्च-20	सितंबर-20	दिसंबर-20	सितंबर 19 की तुलना में सितंबर 20	दिसंबर 19 की तुलना में दिसंबर 20
शेयर पूंजी	3,671	4,002	4,002	17.3	18.8
आरक्षित निधियाँ और अधिशेष	60,213	65,513	67,224	31.9	10.1
जनता की जमाराशियां	30,560	34,956	38,271	15.4	33.2
कुल उधार ली गई राशि	2,20,654	2,10,684	2,06,141	0.5	-1.0
डिबेंचेर्स	72,367	65,294	63,371	1.5	-2.0
म्यूच्युअल फंड द्वारा सब्सक्रिप्शन	17,678	11,997	11,611	-15.9	-24.8
बैंको द्वारा सब्सक्रिप्शन	13,415	14,544	12,936	50.6	43.9
एनबीएफसी द्वारा सब्सक्रिप्शन	227	230	379	-9.2	149.1
अन्य द्वारा सब्सक्रिप्शन	10,209	9,752	7,904	-64.0	-42.1
बैंकों से लिया गया उधार	96,570	97,405	93,318	5.6	-1.3
मीयादी ऋण	87,374	86,951	82,692	4.6	-4.9
कार्यशील पूंजी ऋण	5,173	5,415	6,453	47.0	79.1
नकद ऋण	3,500	4,697	3,789	0.1	5.1
ओवरड्राफ्ट	523	342	384	-56.0	-9.8
एफआई से लिया गया उधार	7,644	7,071	9,038	81.7	96.4
सरकार से लिया गया उधार	-	-	-	-	-
अंतर कंपनी उधार	8,268	5,943	6,496	-22.5	-20.9
वाणिज्यिक पत्र	3,850	3,859	3,218	-68.0	-37.8
गौण कर्ज	10,980	9,564	9,526	-18.4	-16.8
चालू देयताएं	10,359	10,208	10,610	28.0	2.8
प्रावधान	13,436	19,067	17,922	71.9	60.3
अन्य देयताएं	267	44	170	-91.9	-74.1
कुल देयताएं/आस्तियां	3,39,159	3,44,474	3,44,340	10.2	6.5
ऋण और अग्रिम	2,90,697	2,84,014	2,91,099	0.5	0.4
एचपी और लीज आस्तियां	-	-	1,153	-	-
निवेश	27,408	34,842	26,503	122.2	43.9
सरकारी प्रतिभूतियां	6,484	8,718	8,812	120.9	90.5
इक्विटी शेयर	6,336	6,374	6,408	33.6	30.1
अधिमानी शेयर	262	273	281	13.7	7.2
डिबेंचेर्स और बॉन्ड्स	170	126	-	14.4	-100.0
म्यूच्युअल फंड यूनिट	10,824	16,672	8,180	242.9	14.4
वाणिज्यिक पत्र	852	348	483	-	-
अन्य निवेश	2,480	2,331	2,341	32.9	72.8
नकदी और बैंक शेष	13,961	18,158	18,373	98.7	74.5
हाथ में नकदी	93	149	172	-24.0	-21.0
बैंको में जमाराशियाँ	13,780	17,466	14,504	95.4	40.7
अन्य चालू आस्तियां	4,864	5,329	5,100	55.3	81.6
अन्य आस्तियां	2,229	2,132	2,111	26.2	18.2
आकस्मिक देयताएं	3,732	5,335	5,271	25.2	23.4

**टिप्पणी:** डेटा अनंतिम है तथा एनबीएफसी के वित्तीय परिचालन की दिशा और स्वरूप का संकेत देता है। इस सारणी के लिए कंपनियों के एक सामान्य समूह का डेटा लिया गया है, जिन्होंने मार्च 2019 से दिसंबर 2020 तक सभी तिमाहियों में नियमित रिटर्न प्रस्तुत किया है।

**स्रोत:** पर्यवेक्षी रिटर्न, आरबीआई।